Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar releases the Brochure of Winter School

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 19-07-2024**

हकेवि कुलपति ने शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का किया विमोचन

शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का विमोचन करते कुलपति।**आज समाज**

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति ने गुरुवार को भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर केंद्रित शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि शीतकालीन स्कूल को भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में ज्ञान और क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जो भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के साथ संरेखित है। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि भारत के तेजी से विकसित हो रहे बुनियादी ढांचे के परिदृश्य में, डिजिटल परिवर्तन बढ़ी हुई दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और समय पर परियोजना पूर्ण करने के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (एनजीपी) के सहयोग से भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शीतकालीन स्कूल की घोषणा की है। यह कार्यक्रम आगामी 25 नवंबर से 15 दिसंबर, 2024 तक आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के अंतर्गत संचालित भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र इस पहल का समन्वयन करेंगे। डॉ. जितेंद्र ने बताया कि यह कार्यक्रम तीन स्तरों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। जिसमें वर्तमान घोषणा पहले स्तर के मानक कार्यक्रम पर केंद्रित है। इसमें जीआईएस, रिमोट सेंसिंग और डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग के मूल सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जो व्यावहारिक प्रयोगशाला सत्रों, फील्डवर्क और मिनी-प्रोजेक्ट्स द्वारा संचालित होगी। डॉ. जितेंद्र ने बताया कि इस कार्यक्रम में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्य, राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारी, शोधकर्ता, स्कूल शिक्षक और पंजीकृत गैर सरकारी संगठन प्रतिभागिता कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें 30 सितंबर, 2024 तक केज.पहमजण्पद पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवदेन पत्र भरना होगा। कुल 25 चयनित प्रतिभागियों को 03 अक्टूबर, 2024 तक सूचित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी कार्यक्रम समन्वयक एवं विभाग से प्राप्त की जा सकती है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 19-07-2024**

वीसी ने शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का किया विमोचन

शीतकालीन स्कूल विवरणिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को भू-स्थानिक विज्ञान व प्रौद्योगिकी पर केंद्रित शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का विमोचन किया। कुलपति ने कहा कि शीतकालीन स्कूल को भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में ज्ञान और क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जो भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के साथ संरेखित है।

हकेंवि ने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (एनजीपी) के सहयोग से भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शीतकालीन स्कूल की घोषणा की है। यह कार्यक्रम आगामी 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के अंतर्गत संचालित भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार इस पहल का समन्वयन करेंगे। डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम तीन स्तरों में प्रशिक्षण प्रदान करता है जिसमें वर्तमान घोषणा पहले स्तर के मानक कार्यक्रम पर केंद्रित है। इसमें जीआईएस, रिमोट सेंसिंग और डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग के मूल सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जो व्यावहारिक प्रयोगशाला सत्रों, फील्डवर्क और मिनी-प्रोजेक्ट्स द्वारा संचालित होगी।

डॉ. जितेंद्र ने बताया कि इस कार्यक्रम में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्य, राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारी, शोधकर्ता, स्कूल शिक्षक और पंजीकृत गैर सरकारी संगठन प्रतिभागिता कर सकते हैं। कुल 25 चयनित प्रतिभागियों को 3 अक्टूबर तक सूचित किया जाएगा। इस अवसर पर भूगोल विभाग के प्रो. एमएल. मीना, डॉ. खेराज, डॉ. सीएम मीना, डॉ. काजल कुमार मंडल, डॉ. मनीष कुमार मौजूद रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 19-07-2024**

हकेंवि कुलपति ने शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का किया विमोचन

महेंद्रगढ़ | हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने गुरुवार को भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर केंद्रित शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का विमोचन किया।

कुलपति ने कहा कि शीतकालीन स्कूल को भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में ज्ञान और क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जो भारत सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल के साथ रेखित है। उन्होंने कहा कि भारत के तेजी से विकसित हो रहे बुनियादी ढांचे के परिदृश्य में, डिजिटल परिवर्तन बढ़ी हुई दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और समय पर परियोजना पूर्ण करने के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां बता दें कि केंविवि ने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (एनजीपी) के सहयोग से भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शीतकालीन स्कूल की घोषणा की है। यह कार्यक्रम 25 नवंबर से 15 दिसंबर, 2024 तक आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के अंतर्गत संचालित भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार इस पहल का समन्वयन करेंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 19-07-2024**

शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का किया विमोचन

- 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक होगा शीतकालीन स्कूल सत्र का आयोजन
- 30 सितंबर तक पोर्टल के माध्यम से शीतकालीन स्कूल सत्र के लिए आनलाइन आवेदन भरना होगा

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बृहस्पतिवार को भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर केंद्रित शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि शीतकालीन स्कूल को भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में ज्ञान और क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जो भारत सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल के साथ संरेखित है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि भारत के तेजी से विकसित हो रहे बुनियादी ढांचे के परिदृश्य में, डिजिटल परिवर्तन बढ़ी हुई दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और समय पर परियोजना पूर्ण करने के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (एनजीपी) के सहयोग से भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शीतकालीन स्कूल की घोषणा की है। यह कार्यक्रम आगामी 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के स्कूल आफ बेसिक साइंसेज के अंतर्गत संचालित भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जितेंद्र कुमार इस पहल का समन्वयन करेंगे। डा. जितेंद्र कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम तीन स्तरों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। जिसमें वर्तमान घोषणा पहले स्तर के मानक कार्यक्रम पर केंद्रित है। इसमें जीआइएस, रिमोट सेंसिंग और डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग के मूल सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जो व्यावहारिक प्रयोगशाला सत्र, फील्डवर्क और मिनी-प्रोजेक्ट्स द्वारा संचालित होगी।

विवरणिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

डा. जितेंद्र ने बताया कि इस कार्यक्रम में कालेजों और विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्य, राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारी, शोधकर्ता, स्कूल शिक्षक और पंजीकृत गैर सरकारी संगठन प्रतिभागिता कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें 30 सितंबर तक पोर्टल के माध्यम से आनलाइन आवेदन पत्र भरना होगा। कुल 25 चयनित प्रतिभागियों को तीन अक्टूबर तक सूचित किया जाएगा।

इस अवसर पर भूगोल विभाग के प्रोफेसर एमएल मीना, डा. खेराज, डा. सीएम. मीना, डा. काजल कुमार मंडल, डा. मनीष कुमार एवं संजीत कुमार उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी कार्यक्रम समन्वयक एवं विभाग से प्राप्त की जा सकती है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 19-07-2024**

हकेंवि की शीतकालीन स्कूल विवरणिका का विमोचन

महेंद्रगढ़, 18 जुलाई (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बृहस्पतिवार को भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर केंद्रित शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि शीतकालीन स्कूल को भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में ज्ञान और क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जो भारत सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल के साथ संरेखित है।

कुलपति ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (एनजीपी) के सहयोग से भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शीतकालीन स्कूल की घोषणा की है। यह कार्यक्रम आगामी 25 नवंबर से 15 दिसंबर, 2024 तक आयोजित किया जाएगा।

दैनिक ट्रिब्यून

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 19-07-2024**

कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने शीतकालीन विवरणिका का किया विमोचन

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर केंद्रित शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि शीतकालीन स्कूल को भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में ज्ञान और क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जो भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के साथ संरेखित है।

महेंद्रगढ़। पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। फोटो: हरिभूमि

विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि भारत के तेजी से विकसित हो रहे बुनियादी ढांचे के परिदृश्य में, डिजिटल परिवर्तन बढ़ी हुई दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और समय पर परियोजना पूर्ण करने के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (एनजीपी) के सहयोग से भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शीतकालीन स्कूल की घोषणा की है। यह कार्यक्रम आगामी 25 नवंबर से 15 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के अंतर्गत संचालित भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार इस पहल का समंवयन करेंगे। डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम तीन स्तरों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। जिसमें वर्तमान घोषणा पहले स्तर के मानक कार्यक्रम पर केंद्रित है। इसमें जीआईएस, रिमोट सेंसिंग और डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग के मूल सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जो व्यावहारिक प्रयोगशाला सत्रों, फील्डवर्क और मिनी-प्रोजेक्ट्स द्वारा संचालित होगी। डॉ. जितेंद्र ने बताया कि इस कार्यक्रम में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्य, राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारी, शोधकर्ता, स्कूल शिक्षक और पंजीकृत गैर सरकारी संगठन प्रतिभागिता कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें 30 सितंबर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवदेन पत्र भरना होगा। कुल 25 चयनित प्रतिभागियों को 3 अक्टूबर तक सूचित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी कार्यक्रम समन्वयक एवं विभाग से प्राप्त की जा सकती है। मौके पर भूगोल विभाग के प्रोफेसर एमएल मीना, डॉ. खेराज, डॉ. सीएम मीना, डॉ. काजल कुमार मंडल, डॉ. मनीष कुमार एवं संजीत कुमार उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 19-07-2024**

कुलपति ने शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का किया विमोचन

महेंद्रगढ़, 18 जुलाई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने गुरुवार को भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर केंद्रित शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि शीतकालीन स्कूल को भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में ज्ञान और क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जो भारत सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल के साथ संरेखित है।

विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि भारत के तेजी से विकसित हो रहे बुनियादी ढांचे के परिदृश्य में, डिजिटल परिवर्तन बढ़ी हुई दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और समय पर परियोजना पूर्ण करने के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां

शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (एनजीपी) के सहयोग से भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शीतकालीन स्कूल की घोषणा की है। यह कार्यक्रम आगामी 25 नवंबर से 15 दिसंबर, 2024 तक आयोजित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के अंतर्गत संचालित भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार इस पहल का समन्वयन करेंगे। डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम तीन स्तरों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। जिसमें वर्तमान घोषणा पहले स्तर के मानक कार्यक्रम पर केंद्रित है। इसमें जीआईएस, रिमोट सेंसिंग और डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग के मूल सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जो व्यावहारिक प्रयोगशाला सत्रों, फील्डवर्क और मिनी-प्रोजेक्ट्स द्वारा संचालित होगी। डॉ. जितेंद्र ने बताया कि इस कार्यक्रम में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्य, राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारी, शोधकर्ता, स्कूल शिक्षक और पंजीकृत गैर सरकारी संगठन प्रतिभागिता कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें 30 सितंबर, 2024 तक केज.पहमजण्पद पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन पत्र भरना होगा। कुल 25 चयनित प्रतिभागियों को 03 अक्टूबर, 2024 तक सूचित किया जाएगा। इस अवसर पर भूगोल विभाग के प्रोफेसर एम.एल. मीना, डॉ. खेराज, डॉ. सी.एम. मीना, डॉ. काजल कुमार मंडल, डॉ. मनीष कुमार एवं श्री संजीत कुमार उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी कार्यक्रम समन्वयक एवं विभाग से प्राप्त की जा सकती है।

नवोदय टाइम्स Fri, 19 July 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/75470583